www.a2zSubjects.com

PAPER-III
DOGRI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No._____
(In words)

J 3 3 1 6

Time : **2 ½** hours] [Maximum Marks : **150**

Number of Pages in this Booklet : **20**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④
   where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Black Ball point pen provided by C.B.S.E.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
   उदाहरण : ① ② ● ④
   जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. **केवल C.B.S.E. द्वारा प्रदान किये गये काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।**

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

DOGRI
डोगरी
Paper – III
प्रश्नपत्र – III

नोट : इस पेपर च **पच्हत्तर (75)** मते विकल्पी सुआल न । हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न । **सभनें** सुआलें दे परते देओ ।

1. केंतुम :

(a) लैटिन भाशा दा शब्द ऐ ।

(b) वर्ग च ग्रीक, फ्रेंच, इटैलिक बगैरा भाशां औंदियां न ।

(c) अवेस्ता दा प्राचीन रूप ऐ ।

(d) वर्ग च तोखारी, जर्मनिक आदि भाशां शामल न ।

(1) (a) ते (d) ठीक न । (2) (a) ते (b) ठीक न ।

(3) (b) ते (d) ठीक न । (4) (c) ते (d) ठीक न ।

2. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) आ	(i) अद्ध सौंगड़ा ते पिछड़ा
(b) ई	(ii) मोकला ते पिछड़ा
(c) ओ	(iii) अद्ध मोकला ते अगड़ा
(d) ऐ	(iv) सौंगड़ा ते अगड़ा

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(2)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

3. धातु रूपग्राम, मध्यप्रत्यय रूपग्राम, पूर्व प्रत्यय रूपग्राम ते व्याकरणिक प्रत्यय रूपग्राम दे प्रयोग क्रम दे स्हाबें इं'दे शब्दें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) कबेल्ला, बेल्ला, बेल्लै-कबेल्लै, बेल्ले (2) बेल्ला, बेल्ले, कबेल्ला, बेल्लै-कबेल्लै

(3) बेल्ला, बेल्लै-कबेल्लै, कबेल्ला, बेल्ले (4) बेल्ले, बेल्लै-कबेल्लै, बेल्ला, कबेल्ला

4. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) रूपायन दी द्रिश्टी कन्नै डोगरी हिंदी, उर्दू, पंजाबी आदि भाशाएं कशा समृद्ध भाशा ऐ ।

(R) की जे स्त्रीलिंग शब्दें च तिर्यक् बहुवचनी रूपायन डोगरी दी इक चेची विशेशता ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

5. इं'दे च समाक्षरलोपन दे ध्वनि-परिवर्तन दा उदाहरण ऐ :

(1) भागीदारी (2) खरीदारी

(3) सांझेदारी (4) तमारदारी

6. 'ओह् इन्ना सूझवान ऐ जे ओह्दी

कोई बी गल्ल नकारन नेईं होंदी ।'

वाक्य :

(a) च त्रै उपवाक्य न ।

(b) संज्ञा उपवाक्य दे योगदान कन्नै बने दा ऐ ।

(c) मिश्रत वाक्य दी संरचना ऐ ।

(d) च आश्रित उपवाक्य मुक्ख उपवाक्य दे समानाधिकरण दी भूमिका नभाड करदा ऐ ।

(1) (a), (c) ते (d) ठीक न । (2) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(3) (a), (b) ते (c) ठीक न । (4) (a), (b) ते (d) ठीक न ।

7. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) समानाधिकरण समुच्च्य बोधक	(i) जदूं-जदूं
(b) आश्रित समुच्चयबोधक	(ii) ब जेकर
(c) संकेतार्थक समुच्च बोधक	(iii) इस्सै लेई
(d) परिणाम सूचक समुच्चय बोधक	(iv) ते फ्ही

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(2)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

8. शेर, बांदर, रोगी, शदाई पुलिंग शब्दें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे स्त्रीलिंग रूपें लेई बरतोने आह्ले प्रत्ययें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) – ई, – ऐन, – नी, – अन (2) – अन, – ई, – नी, – ऐन

(3) – नी, – ई, – अन, – ऐन (4) – नी, – अन, – ऐन, – ई

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

9. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी संयुक्त क्रियाएं च मुक्ख क्रियाएं दे रूपायन दी परंपरा काफी समृद्ध ऐ ।

(R) दिक्खन (लगना), दिक्खी (लैना), दिक्खनै (पौना) जां दिक्खना (पौना) बगैरा प्रयोग इसदी पुश्टी करदे न ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

10. 'जगदियां जोतां' पुस्तक छपी दी ऐ :

(1) डोगरा अक्खर लिपि च (2) देवनागरी लिपि च

(3) फारसी लिपि च (4) गुरमुखी लिपि च

11. शाकटायन शाखा

(a) दा समां अठमीं सदी ऐ ।

(b) दे वैयाकरण हेमचंद्र हे ।

(c) जैनें दी शाखा ऐ ।

(d) शाकटायन शब्दानुशासन च सूत्रें दी संख्या 3200 ऐ ।

(1) (a) ते (d) ठीक न । (2) (a) ते (b) ठीक न ।

(3) (a), (b) ते (c) ठीक न । (4) (a), (c) ते (d) ठीक न ।

12. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

	चंदी-I		**चंदी**-II
(a)	निरुक्त	(i)	सामान्य ध्वनि विज्ञान
(b)	शिक्षा	(ii)	शालातुरीय
(c)	प्रातिशाख्य	(iii)	प्रायोगिक ध्वनिविज्ञान
(d)	पाणिनि	(iv)	व्युत्पत्ति

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(2)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(3)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(4)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

13. जन्नीं, जन्नी एं, जन्नियां, जंदी ऐ क्रिया-रूपें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे वचन ते पुरश दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) इकवचन प्रथमपुरश, इकवचन मध्यमपुरश, बहुवचन प्रथमपुरश ते इकवचन अन्यपुरश

(2) बहुवचन प्रथमपुरश, इकवचन प्रथमपुरश, इकवचन अन्यपुरश ते इकवचन मध्यमपुरश

(3) इकवचन मध्यमपुरश, इकवचन प्रथमपुरश, इकवचन अन्यपुरश ते बहुवचन प्रथमपुरश

(4) इकवचन अन्यपुरश, बहुवचन प्रथमपुरश, इकवचन मध्यमपुरश ते इकवचन प्रथमपुरश

14. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी भाशा च स्त्रीलिंग रूपायन आस्तै प्रत्ययें च खासी बानगी ऐ ।

(R) –ई, –अनी, –ऐनी, –अन, –ऐन बगैरा प्रत्यय पुलिंग शब्दें थमां स्त्रीलिंग बनाने च योगदान दिंदे न ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

15. देवनागरी लिपि च डोगरी लेखन आस्तै उच्चे-ढलदे सुर लेई छुट्टे स्वर दे बाद :

(1) (ह्) बरतेआ जंदा ऐ । (2) (हा) बरतेआ जंदा ऐ ।

(3) (-,-) बरतेआ जंदा ऐ । (4) (हॅ) बरतेआ जंदा ऐ ।

16. फुल्लें-फलें दे भारें नौंदे बूह्टे भुञां पौन ।

पर-उपकारी बड़े धनी कोई जि'यां नीमते रौह्न ।

(a) पंगतियें दे कवि मोहनलाल सपोलिया न ।

(b) दे रचनाकार शंभुनाथ शर्मा न ।

(c) च प्रतीक-प्रयोग सशक्त ऐ ।

(d) च अलंकार-प्रयोग प्रभावशाली ऐ ।

(1) (b) ते (d) ठीक न ।

(2) (a), (c) ते (d) ठीक न ।

(3) (a) ते (c) ठीक न ।

(4) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

17. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) मधुकर	(i) इत्थै अनबनियें मारतें दा चूना दाऽ पर लगदा ऐ
(b) वेदपाल दीप	(ii) ढक्कियै दे सिरै पर पिप्पलै दा बूह्टा
(c) यश	(iii) इस मुल्खै दे रौले च कुतै पुज्जने दी तौलै च
(d) पद्मा	(iv) रोह् भग्याड़ भयानक भारा, शील शांति दाड़ै, हुछली कुन्नी जिसलै उब्बलै, अपने कंढे साड़ै

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(2)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(3)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(4)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)

18. अभिशाप, रत्नगोपाल खजूरिया, इन्दरजीत केसर ते संतोष खजूरिया कवि-कवित्रियें दे क्रम दे स्हाबें इं'दी रचनाएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) खीरली पड़ांऽ, खलार, बदलोंदियां ब्हाराँ ते दो रुत्तां

(2) दो रुत्तां, खलार, खीरली पड़ांऽ ते बदलोंदियां ब्हाराँ

(3) बदलोंदियां ब्हाराँ, खलार, दो रुत्तां ते खीरली पड़ांऽ

(4) खलार, खीरली पड़ांऽ, दो रुत्तां ते बदलोंदियां ब्हाराँ

19. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) रामनाथ शास्त्री दुंदी शायरी च नमें ढंगा दे प्रतीकें दा प्रयोग असरदार ऐ ।

(R) "कोयल गी आले कैंह् दियां दिन्नां, अंबें पर बूर पैदा कर ।" शेडर च 'कोयल' ते 'अंबें पर बूर' प्रतीक आम प्रतीक नेईं ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

20. 'देस रांगड़ा' कविता-संग्रैह् दे लेखक न :

(1) उत्तम चंद उत्तम (2) सीता राम सपोलिया

(3) सत्यपाल मिश्रा (4) श्यामदत्त पराग

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

21. पर्दा हटा ए साकी, तेरा सिंगार लब्मै ।
तेरे सिंगार अंदर, मेरा लंगार लब्मे ।।
शेऽर :

(a) इश्क दे जड़बे दी पराकाश्ठा व्यक्त करदा ऐ ।
(b) वेदपाल दीप हुंदा लिखे दा ऐ ।
(c) बंड-ब्यहार च पक्खपात उप्पर करारा व्यंग करदा ऐ ।
(d) च साकी दा मतलब बरतावा ऐ ।

(1) (a), (b) ते (d) ठीक न ।
(2) (b), (c) ते (d) ठीक न ।
(3) (b) ते (d) ठीक न ।
(4) (c) ते (d) ठीक न ।

22. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) उत्प्रेक्षा	(i) मेरी पागल समझदारी
(b) अनुप्रास	(ii) मन्नो पुलसा च भरथी होई गे मिलिटैंट
(c) रूपक	(iii) सस्सां सौह्रे सील सभाऽ दे
(d) विरोधाभास	(iv) चेते चक्की चलना लगदी

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(2)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(3)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

23. अध्यात्मवाद, प्रगतिवाद, समतावाद ते प्रकृतिवाद दे सुरें दे क्रम दे स्हाबें इं'दियें कविताएं दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) मानसरोवर, आदमी दे हत्थ, होलिये आ ते कुल्लु रा सवेरा
(2) आदमी दे हत्थ, कुल्लु रा सवेरा, होलिये आ ते मानसरोवर
(3) मानसरोवर, आदमी दे हत्थ, कुल्लु रा सवेरा ते होलिये आ
(4) होलिये आ, आदमी दे हत्थ, कुल्लु रा सवेरा ते मानसरोवर

24. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डोगरी क्हानी गी उसदी गुणवत्ता ते गिनती दे स्हाबें भारत दियें सग्गोसार भाशाएं दियें क्हानियें दे मकाबले च खडेरेआ जाई सकदा ऐ ।
(R) जीवन दे किश नेह् पैह्लू न, जेह्ड़े डोगरी क्हानी कोला अनछूह्ते रेही गेदे न ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।
(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ।
(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।
(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

25. 'बुर्दाफरोश' क्हानी दी कथावस्तु :

(1) वर्ग-संघर्श पर अधारत ऐ ।

(2) सन् 47 दी भान पर अधारत ऐ ।

(3) सन् 65 दे युद्ध पर अधारत ऐ ।

(4) सन् 71 दे भारत-पाक युद्ध पर अधारत ऐ ।

26. अंधविश्वासें ते रूढ़िवादी सोचा दी ढिल्ली पौंदी जकड़न दी नशानदेही करदियां रचनां न :

(a) मक्खी

(b) इक सम्हाल

(c) सुखना

(d) संगलां

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(2) (a), (b) ते (d) ठीक न ।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(4) (c) ते (d) ठीक न ।

27. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) सुक्खन	(i) चम्पा शर्मा
(b) पिंजरा	(ii) शकुन्तला शर्मा 'बीरपुरी'
(c) काली गंगा	(iii) संतोष सांगड़ा
(d) साकसुन्ना प्रीत पितल	(iv) शकुंत 'दीपमाला'

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

28. क'न्नी बरसांत, बाह्वे दी राजकुमारी, गर्भजून ते गास ओपरा धरत बगान्नी उपन्यासें दे नारी पात्रें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) मायावती, रानी, सोहनी ते माधवी ।

(2) माधवी, मायावती, रानी ते सोहनी ।

(3) माधवी, रानी, मायावती ते सोहनी ।

(4) माधवी, रानी, सोहनी ते मायावती ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

29. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) अपने अंदरै दी अदालत, डबर, इक्क फट्ट केईं पच्छ ते अगली तरीक क्हानियां डोगरी क्हानी-साहित्य च मनोविज्ञानिक रुझान दियां क्हानियां न ।

(R) अपने अंदरै दी अदालत, डबर ते इक्क फट्ट केईं पच्छ क्हानियां आपसी रिश्तें च आई गेदियें द्रेड़ें, कलापे ते दोआसी दे सल्ल ते नारी-शोशन कारण आहत बाल-मनै दे आक्रोश गी चित्रत करदियां न ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

30. समाज च बजुर्गें दी स्थिति दा चित्रण करदियां क्हानियां न :

(1) शशोपंज, बदलोखा, ढलदी धुप्पा दा सेक ते फर्ज अपना-अपना ।

(2) ढलदी धुप्पा दा सेक, बिंडू दा दुक्ख, साथी ते स'ञ ।

(3) कैह्र, मनें दी पीड़, हरीशचन्दर हुन्दा नड़ोआ ते चाचू ।

(4) चाचू, कैह्र, ढलदी धुप्पा दा सेक ते स'ञ ।

31. 'अ'न्नी आस्था (बैह्म)' :

(a) 'स्याढ़ां' नांऽ दी पोथी च संकलित निबंध ऐ

(b) प्रो. शक्ति शर्मा हुंदी रचना ऐ

(c) 'त्रिवेणी' नांऽ दी पोथी च संकलित निबंध ऐ

(d) प्रो. चम्पा शर्मा हुंदी रचना ऐ

(1) (a) ते (b) ठीक न । (2) (a) ते (c) ठीक न ।

(3) (b) ते (c) ठीक न । (4) (c) ते (d) ठीक न ।

32. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) साहित्य अकादेमी, दिल्ली	(i) चुब्भां ते होस
(b) डोगरी संस्था, जम्मू	(ii) डोगरी ललित निबंध
(c) डोगरी विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय	(iii) रम्जी सीरां
(d) रियास्ती कल्चरल अकैडमी, जम्मू	(iv) डोगरी शोध

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(2)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

33. प्रो. लक्ष्मी नारायण, प्रो. चम्पा शर्मा, डॉ. ओम गोस्वामी ते डॉ. बालकृष्ण शास्त्री हुंदे निबंधें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) खिंझ, जी, ब्याह् दे काट, परोआर

(2) परोआर, जी, खिंझ, ब्याह् दे काट

(3) जी, परोआर, खिंझ, ब्याह् दे काट

(4) ब्याह् दे काट, परोआर, जी, खिंझ

34. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) आत्मकथा दे लेखक च सच्च आखने दी हिम्मत ते निश्पक्ख होइयै अपने जीवन दा ब्यौरा देने दी खूबी होनी चाहिदी ऐ ।

(R) आत्मकथा लिखने आह्ले दे मनै च इस गल्ला दा भैऽ बी रौंह्दा ऐ जे ओह् अपनी मान-हानी दे डरें अपनियें माड़ियें गल्लें गी छपैलने दा जतन नेईं करै ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

35. 'चल मनै देआ मौजिया', 'एह् द्यामां ! एह् धूनियां !!'

ते 'चेते स्वीडन दे' रचनाएं दे रचेता न :

(1) प्रो. रामनाथ शास्त्री, सत्यपाल ते प्रो. ललित मगोत्रा

(2) प्रो. ललित मगोत्रा, प्रो. मदन मोहन शर्मा ते सत्यपाल

(3) प्रो. रामनाथ शास्त्री, प्रो. मदन मोहन शर्मा ते प्रो. ललित मगोत्रा

(4) प्रो. मदन मोहन शर्मा, प्रो. रामनाथ शास्त्री ते सत्यपाल

36. 'दिन-दिन जोत सोआई' पोथी च संकलित निबंध न :

(a) जीवन दे त्रै उद्देश्य

(b) इक सफर सनातन

(c) जी

(d) घमाई फिरे इ'नें लीडरें उघरा

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(2) (a), (b) ते (d) ठीक न ।

(3) (a) ते (b) ठीक न ।

(4) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

37. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) माह्नू दा विकास ते किश नमें खतरे	(i) प्रो. शक्ति शर्मा
(b) सभ्यता दा विकास	(ii) विश्वनाथ खजूरिया
(c) घमाई फिरे इ'नें लीडरें उघरा	(iii) परसराम पूर्वा
(d) ज्याणें गी पत्याना	(iv) जगदीश चन्द्र साठे

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

38. ओ.पी. शर्मा 'सारथी', प्रो. नीलाम्बर देव शर्मा, ध्यानसिंह ते नरेन्द्र भसीन हुंदियें पोथियें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) रिश्ते, मंथन, सुच्ची सम्हाल, ज्ञान ध्यान

(2) मंथन, रिश्ते, ज्ञान ध्यान, सुच्ची सम्हाल

(3) ज्ञान ध्यान, सुच्ची सम्हाल, रिश्ते, मंथन

(4) सुच्ची सम्हाल, ज्ञान ध्यान, रिश्ते, मंथन

39. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) जम्मू च रंगमंच गी नमें रंगें च रंगने दी संजीदा कोशिश अजादी दे बाद गै कीती गेई ।

(R) रंगमंच दी जरूरतें गी दिखदे होई मूल रचनाएं दे कन्नो-कन्नी नाटक अनुवादें दा सिलसला बी शुरू होई गेआ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

40. 'देवयानी' नाटक च शर्मिष्ठा ऐ :

(1) शुक्राचार्य दी लाड़ी (2) शुक्राचार्य दी धीऽ

(3) देवयानी दी स्हेली (4) कच दी भैन

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

41. पौराणिक कथानकें पर अधारित डोगरी नाटक न :

(a) देव पुत्तर (b) देवयानी

(c) काल चक्कर (d) कच्च

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न । (2) (a), (b) ते (d) ठीक न ।

(3) (a) ते (b) ठीक न । (4) (b) ते (d) ठीक न ।

42. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I		**चंदी**-II
(a) नतीजा	(i)	नित्तेआनंद शास्त्री
(b) जुक्कां	(ii)	पशौरी लाल
(c) हिजरत	(iii)	मियां डीडो
(d) मलाटी	(iv)	जित्तो

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(3)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(4)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

43. प्रकाशन ब'रे दे स्हाबें 'चल मेरे हरणा टिच्चक टूं', 'नदी अग्ग दी ते यक्ष-प्रश्न', 'महाबलिदान' ते 'मदारी' नाटकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) मदारी, चल मेरे हरणा टिच्चक टूं, महाबलिदान ते नदी अग्ग दी ते यक्ष प्रश्न ।

(2) महाबलिदान, नदी अग्ग दी ते यक्ष प्रश्न, मदारी ते चल मेरे हरणा टिच्चक टूं ।

(3) चल मेरे हरणा टिच्चक टूं, मदारी, महाबलिदान ते नदी अग्ग दी ते यक्ष प्रश्न ।

(4) नदी अग्ग दी ते यक्ष प्रश्न, चल मेरे हरणा टिच्चक टूं, महाबलिदान ते मदारी ।

44. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) अज्जै दे रंगमंच कोल बिजली ते माईक जनेह् असरदार साधन आई जुड़े दे न ।

(R) नाटक ते रंगमंच बिजन ट्रांस्फर सीन, ट्रैप ते फ्लाईट दे ते बिना गीत-संगीत दे मता गूंढा ते बे-रौनका लगदा ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

45. प्रो. मदन मोहन शर्मा हुंदा इक पात्तरी एकांकी ऐ :

(1) गलेडियेटर । (2) यात्रू ।

(3) जाई दी इक रात । (4) बिन आलढ़े दे पैंछी ।

46. भयानक रस :

(a) दा अनुभाव रंग चिट्टा फिरी जाना ऐ ।

(b) दा अनुभाव हत्थ पैर ठंडे पेई जाना ऐ ।

(c) दा अनुभाव नफरत दा जागना ऐ ।

(d) दा उद्दीपन सड़ैह्न उट्ठना ऐ ।

(1) (a) ते (b) ठीक न । (2) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(3) (c) ते (d) ठीक न । (4) (a), (c) ते (d) ठीक न ।

47. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I		**चंदी**-II
(a)	इलियट	(i) उचितं प्राहुराचार्य: सदृशं
(b)	क्षेमेंद्र	(ii) the waste land
(c)	वाल्तेयर	(iii) dream play
(d)	स्ट्रिंगवर्ग	(iv) the world is a forest of symbols

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(2)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(3)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(4)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

48. 'डोगरी उपन्यासें च वर्ग संघर्श', 'साहित्य : मेरी सोच मेरे शब्द', 'बोल ते तोल' ते 'बीह्मी सदी दा डोगरी दा गद्य साहित्य' आलोचना पुस्तकें दे क्रम दे स्हाबें इं'दे लेखकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) चंचल भसीन, ललित मगोत्रा, सत्यपाल श्रीवत्स ते विजय सेठ

(2) विजय सेठ, चंचल भसीन, ललित मगोत्रा ते सत्यपाल श्रीवत्स

(3) सत्यपाल श्रीवत्स, विजय सेठ, चंचल भसीन ते ललित मगोत्रा

(4) ललित मगोत्रा, विजय सेठ, चंचल भसीन ते सत्यपाल श्रीवत्स

49. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) आदर्शवाद भामें उ'न्नीमीं सदी दी देन ऐ, पर आदर्शवाद अपने आप च मनुक्खी इतिहास ते ओहदे उद्भव ते विकास कन्नै पूरी चाल्ली संबद्ध ऐ ।

(R) आदर्शवाद दा इतिहास पाश्चात्य जीवन दर्शन च उन्ना गै पराना ऐ जिन्नी यूनानी सभ्यता ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

50. 'काव्यशोभाया: कर्तारो धर्मा गुणा:' आखे दा ऐ :

(1) आचार्य आनंदवर्धन ने । (2) आचार्य दंडी ने ।

(3) आचार्य वामन ने । (4) आचार्य अभिनव गुप्त ने ।

51. औचित्य :

(a) दा अर्थ मनासबत जां अनुरूपता ऐ ।

(b) च अनुकूलता दा भाव बी झलकदा ऐ ।

(c) दंडी दा 'दोष परिहार विवेचन' बी इस्सै बक्खी सारत करांदा ऐ ।

(d) अभिनव गुप्त इसदे स्हेई प्रवर्तक न ।

(1) (a), (c) ते (d) ठीक न । (2) (b) ते (d) ठीक न ।

(3) (a), (b) ते (c) ठीक न । (4) (c) ते (d) ठीक न ।

52. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) अपस्पार	(i) मानसक संताप ।
(b) व्याधि	(ii) मानसिक स्थिति दे दबाऽ करी शरीरी रोग होना ।
(c) जड़ता	(iii) चित्त टकानै नेईं रौह्ने दी स्थिति ।
(d) चपलता	(iv) सन्न रेही जाना ।

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)

53. 'साढ़े साहित्यकार', 'काव्यशास्तर ते डोगरी काव्य समीक्षा', 'डोगरी साहित्य चर्चा' ते 'जगदियां जोतां' पुस्तकें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे लेखकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) वीणा गुप्ता, चम्पा शर्मा, लक्ष्मी नारायण ते वेद राही

(2) वेद राही, वीणा गुप्ता, चम्पा शर्मा ते लक्ष्मी नारायण

(3) लक्ष्मी नारायण, वेद राही, चम्पा शर्मा ते वीणा गुप्ता

(4) चम्पा शर्मा, लक्ष्मी नारायण, वेद राही ते वीणा गुप्ता

54. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) लोकनाटकें दी अधारभूमि लोकमानस ऐ । इं'दे च लोक-परंपरा ते लोक-रूढ़ियें दी गै मती म्हत्ता ऐ ।

(R) संसार भरै च सभनें देशें च नाटक दे मुंढले रूप दा उद्‌भव कुसै-नां-कुसै धार्मिक चेतना जां भावना दे फलसरूप होए दा ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

55. "लोकगीत' कुसै संस्कृति दे मुहां बोलदे चित्र होंदे न ।' एह् आखे दा ऐ :

(1) वासुदेवशरण अग्रवाल ने ।
(2) कुन्दनलाल उप्रेती ने ।
(3) डॉ. सत्येन्द्र ने ।
(4) जान रस्किन ने ।

56. लोकगीतें च :

(a) निरर्थक शब्दें दे इस्तेमाल गी अवगुण मन्नेआ जँदा ऐ ।
(b) पुनरावृत्ति नेईं होंदी ।
(c) किश नांऽ बार-बार औंदे न, नमें नांएं दा जुड़ना बी सुभावक ऐ ।
(d) प्रश्नोत्तर शैली दा इस्तेमाल मता होंदा ऐ ।

(1) (a), (b) ते (c) ठीक न ।
(2) (a) ते (b) ठीक न ।
(3) (b), (c) ते (d) ठीक न ।
(4) (c) ते (d) ठीक न ।

57. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) पर्व-तेहार	(i) लोकनाटक
(b) गीतात्मक कथानक	(ii) लोकगाथा
(c) संगीत ते नाच	(iii) राड़े
(d) कुसै संस्कृति दे मुहां बोलदे चित्र ।	(iv) लोकगीत

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(2)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

58. हरषा-गीत, बिहाई, चन्न ते ऐंजली – डोगरी दे लोकगीतें दे इस क्रम दे स्हाबें इं'दे वर्गें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) संस्कार-गीत, शंगार-गीत, पर्व-गीत ते भगती-गीत ।
(2) पर्व-गीत, संस्कार गीत, शंगार-गीत ते भगती-गीत ।
(3) पर्व-गीत, शंगार-गीत, संस्कार-गीत ते भगती-गीत ।
(4) पर्व-गीत, भगती-गीत, संस्कार-गीत ते शंगार-गीत ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

59. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) डुग्गर च लोक चित्रकला दा सरबंध पर्वें-तेहारें कन्नै बी है ।

(R) डुग्गर च मनाए जाने आह्ले होई, नागपंचमीं, राड़े ते बसाखी नेह पर्व न, जिस दिन घरें च खास चित्रकारी कीती जंदी ऐ ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

60. लोककथाएं च प्रधानता होंदी ऐ :

(1) आतंक दी ।
(2) कल्पना दी ।
(3) अश्लील शंगार दी ।
(4) सौंदर्य-लोभ दी ।

61. 'अनुवाद' शब्द दा मजूदा अर्थ

(a) संस्कृत च प्रयुक्त अर्थ थमां बक्खरा ऐ ।

(b) 'ट्रांस्लेशन' शब्द दे अर्थ दा पर्याय ऐ ।

(c) 'अनुवाद' शब्द दे शाब्दिक अर्थ दे बराबर ऐ ।

(d) 'इक भाशा च आखी दी गल्ला गी दूई भाशा च आखना ऐ ।'

(1) (b), (c) ते (d) ठीक न ।
(2) (a) ते (d) ठीक न ।
(3) (a), (b) ते (d) ठीक न ।
(4) (b) ते (d) ठीक न ।

62. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) नाटकानुवाद	(i) एच.डी. फारेस्ट
(b) करारनामें दा अनुवाद	(ii) साहित्यक अनुवाद
(c) अनुवादक गी दो मूंह् रक्खने पौंदे न ।	(iii) साहित्येतर अनुवाद
(d) अनुवाद बुस्सी दी स्ट्रावेरी आह्ला लेखा होंदा ऐ ।	(iv) टैंकोक

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

63. अन्ना युग, बावा फरीद, गोदान ते भारती क्हानियाँ डोगरी दियां अनूदत रचनां न ।
इं'दे प्रकाशन-ब'रें दे स्हाबें इं'दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) अन्ना युग, भारती क्हानियां, गोदान ते बावा फरीद ।
(2) बावा फरीद, अन्ना युग, गोदान ते भारती क्हानियां ।
(3) भारती क्हानियां, अन्ना युग, बावा फरीद ते गोदान ।
(4) गोदान, बावा फरीद, अन्ना युग ते भारती क्हानियां ।

64. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) विद्वानें दा इक वर्ग अनुवाद गी नां ते कला मनदा ऐ ते नां गै विज्ञान ।
(R) अनुवादक ते अनुवादक होंदा ऐ, नां के सरजक साहित्यकार जां तर्क-प्रवीण वैज्ञानिक ।
(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।
(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ।
(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।
(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

65. साहित्यक कृति दे अनुवाद गी 'साहित्यक पुनर्जीवन' दी संज्ञा दित्ती ऐ :

(1) ए. नाइडा ने ।
(2) एज़रा पाउंड ने ।
(3) थियोडोर सेवरी ने ।
(4) भोलनाथ तिवारी ने ।

66. मुक्त छंदपरक अनुवाद च

(a) कविता दी संरचना दा ध्यान रक्खेआ जंदा ऐ ।
(b) छंद-विधान दा पूरा अनुकरण कीता जंदा ऐ ।
(c) यति दा ध्यान रक्खेआ जंदा ऐ ।
(d) लय दा ध्यान रक्खेआ जंदा ऐ ।

(1) (a) ते (d) ठीक न ।
(2) (a), (b) ते (c) ठीक न ।
(3) (a), (c) ते (d) ठीक न ।
(4) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

67. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) जंगल टापू	(i) जसबीर भुल्लर
(b) श्री राधा	(ii) मंगेश पाडगावकर
(c) सलाम	(iii) गुलज़ार
(d) धूँ गै धूँ	(iv) रमाकान्त रथ

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(2)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(3)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(4)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

68. कबूतरें दी डुआरी, गणनायक, आलोकपर्व ते नमें युगै दे वारस अनूदित पुस्तकें दे क्रम दे स्हाबें इं'दे अनुवादकें दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) चम्पा शर्मा, कृष्णा प्रेम, शक्ति शर्मा ते शशि पठानिया

(2) चम्पा शर्मा, शशि पठानिया, शक्ति शर्मा ते कृष्णा प्रेम

(3) शशि पठानिया, कृष्णा प्रेम ते शक्ति शर्मा

(4) शक्ति शर्मा, चम्पा शर्मा, शशि पठानिया ते कृष्णा प्रेम

69. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) रेडियो जन-संचार दा प्रभावशाली माध्यम ऐ जिस थमां कोई बी संदेश दुनिया दी इक नुक्करा थमां दुई नुक्करा तगर यकलख्त भेजेआ जाई सकदा ऐ ।

(R) भारत जैसे विकासशील देश च रेडियो जैसे जन-संचार माध्यमें दे विकसित होने दियां बड़ियां संभावना न ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।

(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेई ।

(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।

(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

70. कठपुतली :

(1) जनसंचार दा आधुनिक माध्यम ऐ ।

(2) जनसंचार दा माध्यम नेईं ऐ ।

(3) जनसंचार दा परम्परागत माध्यम ऐ ।

(4) जनसंचार दा खर्चीला माध्यम ऐ ।

71. आकाशवाणी दी प्रसारण सेवा दे प्रमुख उद्देश्य न :

(a) जनता गी सूचित करना ।

(b) जनता दा मनोरंजन करना ।

(c) जनता गी शिक्षित करना ।

(d) सरकार आस्तै धन कमाना ।

(1) (a) ते (b) ठीक न ।

(2) (a), (b) ते (c) ठीक न ।

(3) (b), (c) ते (d) ठीक न ।

(4) (b) ते (c) ठीक न ।

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

72. पैह्ली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-I	**चंदी**-II
(a) मार्श मैक्लूहान	(i) उ'नेंगी बदलो जो सच्च गी नेईं मनदे, झूठ ते एह् उग्गली गै देङन ।
(b) जीन पाल सात्र	(ii) मीडिया जां ते गर्म होंदा ऐ जां ठंडा ..... ।
(c) डिज़ली वारलैंड	(iii) रेडियो दे बिजन उं'दा घर ते आँढ-गोआंढ सुन्ना-सुन्ना लगदा ऐ ।
(d) हैराल्ड	(iv) औने आह्लियां पीढ़ियां थुआढ़ा सच्च नेईं परखङन, ओह् ते थुआढ़ा झूठ दिखङन ..... ।

कोड :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(3)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(4)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

73. अविश्कार-क्रम दे स्हाबें टैलीफोन, इंटरनेट ते टैलीविजन दा स्हेई क्रम ऐ :

(1) टैलीविजन, इंटरनेट ते टैलीफोन
(2) टैलीफोन, टैलीविजन ते इंटरनेट
(3) टैलीफोन, इंटरनेट ते टैलीविजन
(4) इंटरनेट, टैलीफोन ते टैलीविजन

74. हेठ दो कथन दिते गेदे न । इक गी (A) असर्शन यानी निश्चयात्मक कथन ते दुए गी (R) रीजन दा कारण आखेआ गेआ ऐ :

(A) कम्प्यूटर अपने विशेश गुणें कारण औने आह्ले समें च मनुक्ख जाति पर हावी होई जाने आह्ला ऐ ।

(R) प्रो. बीजनवास हुंदा गलाना ऐ जे ऐसी कोई मशीन नेईं बनी सकदी जेह्ड़ी-मनुक्खी मनै दी अंदरली प्रतीक प्रक्रिया दी हू-बू-हू नकल करी सकै ।

(1) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या ऐ ।
(2) (A) ते (R) दोऐ ठीक न ते (R), (A) दी स्हेई व्याख्या नेईं ।
(3) (A) ठीक ऐ ते (R) गल्त ऐ ।
(4) (A) गल्त ऐ ते (R) ठीक ऐ ।

75. सन् 1956 ई. च त्र'ऊं वैज्ञानिकें गी नोबल पुरस्कार कन्नै सम्मानित कीता गेआ हा ।

उं'दा अविश्कार हा :

(1) टैलीविजन
(2) ट्रांजिस्टर
(3) टैलीग्राफ
(4) टैलीप्रिंटर

---

www.a2zSubjects.com

www.a2zSubjects.com

Space For Rough Work

www.a2zSubjects.com